

डैनियल की पुस्तक - संख्या छिहत्तर

भविष्यवाणियों की मुहरें खोलना: 1856 में प्रकाश का अस्वीकार और उसके परिणाम

Jeff Pippenger

2024-02-09

1856 में "सात काल" का प्रकाश उद्घाटित हुआ, और 1863 तक उस प्रकाश को अस्वीकार कर दिया गया। यहूदा के नबी ने वह प्रकाश दुष्ट राजा यरोबोआम तक पहुँचाया, और यरोबोआम ने उस प्रकाश को अस्वीकार कर दिया। यशायाह ने वही प्रकाश दुष्ट राजा आहाज तक पहुँचाया, और उसने भी उस प्रकाश को अस्वीकार कर दिया। शिलोआह के सरोवर से संबंधित उस प्रकाश को अस्वीकार करने के कारण, यरोबोआम (उत्तरी) और आहाज (दक्षिणी) दोनों के राज्य क्रमशः 723 ईसा पूर्व और 677 ईसा पूर्व में उत्तर से आए एक राजा द्वारा दासता में ले जाए गए।

हारून के विद्रोह के प्रसंग में मूसा; अहाज़ के साथ यशायाह और अन्य राजाओं के साथ यिर्मयाह—इन सबने मिलरवादी इतिहास के उन विश्वासयोग्यों का प्रतिनिधित्व किया जो अंतिम दिनों के विद्रोह में प्रकाश के दूतों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। 1863 का 'पहला' अंतिम-दिन का संकट और प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह के 'महाभूकंप' का 'अंतिम' अंतिम-दिन का संकट (अर्थात् शीघ्र आने वाला रविवार क़ानून) इन सभी भविष्यवाणी रेखाओं द्वारा दर्शाए गए हैं। यहूदा का भविष्यद्वक्ता उस नबी का प्रतीक है जो अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट गया, और अंततः धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद के साथ उसी कब्र में दफनाया गया। उसकी मृत्यु और दफन इस बात का परिणाम थे कि उसने बेतएल के झूठे भविष्यद्वक्ता के भोजन-पान को अपना चुना।

रविवार के कानून के समय पापसी (अशशूर का राजा) द्वारा पराजित किए जाने का न्याय, जिसे यारोबाम और आहाज़ के उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के तितर-बितर होने से पूर्वचित्रित किया गया था, यहूदा के भविष्यद्वक्ता की नियति से मेल खाता है, क्योंकि वह एक "सिंह" और एक "गधे" के बीच मर गया था। "सिंह" बाबुल का प्रतीक है, जो अंतिम दिनों में पापसी है।

और ऐसा हुआ कि जब उसने रोटी खा ली और पी भी लिया, तब उसने उसके लिए गधे पर काठी कसी—अर्थात् उस भविष्यद्वक्ता के लिए जिसे वह वापस ले आया था। और जब वह चला गया, तो मार्ग में एक सिंह उससे मिला और उसे मार डाला; और उसका शव मार्ग में पड़ा रहा, और गधा उसके पास खड़ा था; सिंह भी उस शव के पास खड़ा था। और देखो, लोग वहाँ से होकर गए और उन्होंने देखा कि शव मार्ग में पड़ा है और सिंह शव के पास खड़ा है; तब वे आए और उस नगर में, जहाँ वह बूढ़ा भविष्यद्वक्ता रहता था, यह बात कह सुनाई। और जब उस भविष्यद्वक्ता ने, जिसने उसे मार्ग से वापस लाया था, यह सुना, तो उसने कहा, यह परमेश्वर का जन है, जो यहोवा के वचन की अवज्ञा करने वाला था; इसलिए यहोवा ने उसे सिंह के हाथ में सौंप दिया, जिसने उसे फाड़ा और मार डाला, जैसा यहोवा के वचन के अनुसार, जो उसने उससे कहा था। तब उसने अपने बेटों से कहा, मेरे लिए गधे पर काठी कसो। और उन्होंने गधे पर काठी कस दी। और वह गया और उसने उसका शव मार्ग में पड़ा पाया, और गधा और सिंह उस शव के पास खड़े थे; सिंह ने न तो शव खाया था और न गधे को फाड़ा था। तब भविष्यद्वक्ता ने परमेश्वर के जन का शव उठाया, उसे गधे पर रखकर वापस ले आया; और वह बूढ़ा भविष्यद्वक्ता नगर में आया ताकि उसके लिए शोक करे और उसे दफनाए। और उसने उसका शव अपनी ही कब्र में रखा; और वे उसके लिए शोक करते हुए कहने लगे, हाय, मेरे भाई! और ऐसा हुआ कि उसे दफनाने के बाद, उसने अपने बेटों से कहा, जब मैं मर जाऊँ, तब मुझे उसी कब्र में दफनाना जिसमें परमेश्वर का जन दफनाया गया है; मेरी हड्डियाँ उसकी हड्डियों के पास रखना। क्योंकि जो वचन उसने यहोवा के वचन के द्वारा बेतएल की वेदी के विरुद्ध, और सामरिया के नगरों में जो ऊँचे स्थानों के घर हैं, उन सब के विरुद्ध पुकारकर कहा था, वह निश्चय पूरा होगा।
1 राजा 13:11-32.

यहूदा के भविष्यद्वक्ता की मृत्यु दो प्रतीकों के बीच हुई। सिंह बाबेल का प्रतीक है, और अंत के दिनों में आधुनिक बाबेल उत्तर का राजा है, जो दानिय्येल अध्याय ग्यारह, पद पैतालीस में बिना किसी की सहायता के अपने अंत को पहुँचता है। उसके अधिकार का चिन्ह सूर्य-पूजा है, जो चौथी घृणित बात है, और यहजेकल अध्याय आठ में लाओदीकिया के एडवेंटीवाद की चौथी पीढ़ी को सूर्य की ओर झुकते हुए चित्रित किया गया है। मिलर के स्वप्न में उसे दिखाया गया कि न केवल रत्न बिखर गए और ढँक दिए गए, बल्कि वह स्वयं पेंटी, जो बाइबल का प्रतिनिधित्व करती थी, भी टुकड़े-टुकड़े कर दी गई।

एडवेंटिज़्म की तीसरी पीढ़ी में, बाइबल के तथाकथित आधुनिक अनुवादों के उपयोग को शुरू कराने के कार्य को एडवेंटिज़्म के नेतृत्व द्वारा बढ़ावा दिया गया। वे तथाकथित आधुनिक अनुवाद भ्रष्ट पांडुलिपियों के एक संग्रह से निकले थे, जिन्हें 'पाप के मनुष्य' के धर्मशास्त्रियों और धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। मिलर का संदूक किंग जेम्स संस्करण था, जो अकलुषित पांडुलिपियों से अनूदित था।

लाओदीकियाई एडवेंटवाद की चौथी पीढ़ी तक, कलीसिया विश्व चर्च परिषद में शामिल हो चुकी थी, जो रोमन कलीसिया और उसकी पुत्रियों का एक महासंघ था। एडवेंटवाद ने वर्षों तक, अपनी सोई हुई मंडली के हित में, यह तर्क दिया कि वे विश्व चर्च परिषद में महज़ "पर्यवेक्षक" हैं, जब तक कि उस दुष्ट महासंघ के उपनियमों ने यह प्रकट न कर दिया कि "पर्यवेक्षक" का दर्जा वास्तव में पूर्ण मतदान सदस्य का ही होता है!

उनकी चौथी पीढ़ी में उन्होंने दो बार "पाप का मनुष्य" को स्वर्ण पदक प्रदान किया। कम से कम एक पदक पर मसीह के द्वितीय आगमन की कैथोलिक अवधारणा अंकित थी, जिसमें यीशु को अपने लौटने पर पृथ्वी पर अपना पाँव रखते हुए दर्शाया गया था, और उसमें मसीह के पीछे कैथोलिक सूर्य-प्रभामंडल भी था, तथा चौथी आज्ञा का कैथोलिक संक्षेप भी, जिसमें बस लिखा था, "सब्त को स्मरण रखना।" एक अदालती कार्यवाही (जो कि एक कानूनी घोषणा है) में, जनरल कॉन्फ़ेंस के अध्यक्ष ने गवाही दी, जिसमें उन्होंने बताया कि सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया पहले यह मानती थी कि पापाई सत्ता ही मसीह-विरोधी है, परंतु उनकी कलीसिया ने बहुत पहले उस विश्वास को "इतिहास के कूड़ेदान में" डाल दिया था।

चौथी घृणितता (पीढ़ी) वह है, जिसमें येरूशलेम की कलीसिया के पच्चीस नेता सूर्य की आराधना में झुकते हैं। क्रमशः बढ़ती हुई घृणितताएँ प्रवेशद्वार पर स्थापित 'ईर्ष्या की प्रतिमा' से आरंभ हुईं, जो आरंभ को चिह्नित करती थी। यहूदा का भविष्यद्वक्ता अंततः धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद के साथ दफन हो जाता है, और सिंह (बाबुल) उसे मार डालता है, क्योंकि वह धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद की पद्धति पर लौट गया, और इसलिए वह यह पहचान नहीं पाता कि दर्शन की स्थापना रोम करती है; और जहाँ पाप के मनुष्य के प्रतीक द्वारा कोई दर्शन स्थापित नहीं होता, वहाँ अंततः तुम पाप के मनुष्य के पक्ष में ही जा खड़े होते हो।

"जो लोग शब्द की समझ में भ्रमित हो जाते हैं, जो मसीह-विरोधी का अर्थ समझ नहीं पाते, वे निश्चित रूप से स्वयं को मसीह-विरोधी के पक्ष में खड़ा कर देंगे।" Kress Collection, 105.

यहूदा का भविष्यद्वक्ता बेथेल के झूठे भविष्यद्वक्ता के साथ दफनाया गया, जिसने उसे अपना "भाई" कहा, और वह दो प्रतीकों के बीच मृत पाया गया। "सिंह" मसीह-विरोधी को समझने में उसकी असफलता का प्रतिनिधित्व करता था, और "गधा" इस्लाम का प्रतीक है। लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म ने 11 सितम्बर, 2001 के बारे में अपनी चुप्पी के माध्यम से पहले ही दिखा दिया है कि वह यह नहीं पहचानता कि तीसरे "हाय" में इस्लाम का विषय ही आधी रात की पुकार, अंतिम वर्षा का संदेश है। अंतिम वर्षा के संदेश को न पहचानना, मृत्यु है! अंतिम वर्षा 11 सितम्बर, 2001 को शुरू हुई, जब प्रकाशितवाक्य अठारह का शक्तिशाली स्वर्गदूत उतरा, जब न्यूयॉर्क सिटी की महान इमारतें गिरा दी गईं। यह "वर्षा" एक संदेश है, और उसे पाने के लिए उस संदेश को पहचानना आवश्यक है।

हमें अंतिम वर्षा की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए। यह उन सब पर आने वाली है जो हम पर गिरने वाली अनुग्रह की ओस और फुहारों को पहचानेंगे और अपनाएँगे। जब हम प्रकाश की झलकियाँ समेट लेते हैं, जब हम परमेश्वर की

निश्चित दयाओं की कद्र करते हैं, जो यह चाहता है कि हम उस पर भरोसा करें, तब हर प्रतिज्ञा पूरी होगी।
[यशायाह 61:11 उद्धृत.] सम्पूर्ण पृथ्वी परमेश्वर की महिमा से भर दी जाएगी। दि सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट बाइबल
कमेंटरी, खंड 7, 984.

"पूरी पृथ्वी" जानती है कि 11 सितंबर, 2001 को क्या हुआ, परन्तु वहाँ से आरंभ होने वाला और अंततः परमेश्वर की महिमा से पूरी पृथ्वी को प्रकाशित कर देने वाला संदेश प्राप्त करने के लिए, उस संदेश को पहचाना जाना चाहिए। शब्द "recognize" का अर्थ है, "किसी ज्ञान को स्मरण करना या उसे पुनः प्राप्त करना, उस ज्ञान की स्वीकारोक्ति के साथ या बिना। हम किसी व्यक्ति को दूर से पहचानते हैं, जब हमें याद आता है कि हमने उसे पहले देखा है, या कि हम उसे पूर्व में जान चुके हैं। हम उसकी मुखाकृति या उसकी आवाज़ पहचानते हैं।" वेबस्टर का 1828 शब्दकोश.

11 सितम्बर, 2001 को आए अंतिम वर्षा के संदेश को कोई लाओदीकियाई एडवेंटिस्ट केवल तभी पहचान सकता है, जब वह यह पहचानता है कि उसने अतीत में ईश्वरीय सामर्थ्य की वही अभिव्यक्ति देखी है। 11 अगस्त, 1840 को, जब इस्लाम की दूसरी हाय की भविष्यवाणी पूरी हुई, तब प्रकाशितवाक्य 10 का शक्तिशाली स्वर्गदूत उतरा। वह इतिहास पूर्णतः तब दोहराया गया जब 11 सितम्बर, 2001 को इस्लाम की तीसरी हाय की भविष्यवाणी पूरी होने पर प्रकाशितवाक्य 18 का शक्तिशाली स्वर्गदूत उतरा, और तीसरी हाय के इस्लाम को न पहचानना, जंगली अरबी गधे द्वारा आधुनिक बाबुल के सिंह से लाई गई मृत्यु की ओर उठाकर ले जाया जाना है।

एफ्रैम के मद्यपायी, जो उस मुहरबंद पुस्तक को पढ़ नहीं सकते, मिलेराइट इतिहास की पुनरावृत्ति को नहीं देख सकते, क्योंकि वह पहचान 'पंक्ति पर पंक्ति' की अंतिम वर्षा की पद्धति पर आधारित है। यह धारणा कि मिलेराइट इतिहास में परमेश्वर की शक्ति का प्रगटीकरण अंतिम दिनों में फिर दोहराया जाता है, धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद और कैथोलिकवाद की पद्धति से सिद्ध नहीं की जा सकती।

"तीसरे स्वर्गदूत के संदेश की घोषणा में सहभागी होने वाला स्वर्गदूत अपनी महिमा से समूची पृथ्वी को आलोकित करने वाला है। यहाँ विश्व-व्यापी विस्तार और अभूतपूर्व शक्ति के एक कार्य की भविष्यवाणी की गई है। 1840-44 का आगमन आंदोलन परमेश्वर की शक्ति का एक महिमामय प्रगटीकरण था; प्रथम स्वर्गदूत का संदेश संसार के हर मिशनरी केंद्र तक पहुँचाया गया, और कुछ देशों में धार्मिक रुचि का वह सर्वोच्च स्तर देखा गया, जो सोलहवीं शताब्दी के सुधार के बाद से किसी भी देश में देखा गया था; परंतु तीसरे स्वर्गदूत की अंतिम चेतावनी के अधीन होने वाला शक्तिशाली आंदोलन इन सब से बढ़कर होगा।" महान संघर्ष, 611.

आधुनिक इस्राएल के अंधे नेता अपनी कार्यपद्धति के कारण इस सत्य को अस्वीकार करने के लिए बाध्य हैं कि जैसे पूर्व वर्षों में हुआ था, वैसे ही अंतिम दिनों में भी परमेश्वर की शक्ति के प्रकटीकरण की पुनरावृत्ति होगी।

"यहाँ हम देखते हैं कि कलीसिया—प्रभु का पवित्रस्थान—परमेश्वर के क्रोध का प्रहार सबसे पहले महसूस करने वाली थी। वे वृद्ध पुरुष, जिन्हें परमेश्वर ने महान ज्योति दी थी और जो लोगों के आध्यात्मिक हितों के रक्षक बनकर खड़े थे, उन्होंने अपने सौंपे गए भरोसे से विश्वासघात किया था। उन्होंने यह मत ग्रहण कर लिया था कि जैसे पहले दिनों में होता था, वैसे चमत्कारों और परमेश्वर की शक्ति के स्पष्ट प्रगटीकरण की हमें अब अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। समय बदल गया है। ये बातें उनके अविश्वास को और दृढ़ करती हैं, और वे कहते हैं: प्रभु न तो भलाई करेगा और न ही बुराई। वह इतना दयालु है कि अपने लोगों को न्याय में दंड देने के लिए नहीं आएगा। इस प्रकार 'शांति और सुरक्षा' का नारा उन मनुष्यों के मुँह से उठता है जो फिर कभी तुरही की तरह अपनी आवाज़ ऊँची करके परमेश्वर के लोगों को उनके अपराध और याकूब के घराने को उनके पाप नहीं दिखाएँगे। ये गूँगे कुत्ते, जो भौंकते नहीं, वही रुष्ट परमेश्वर के न्यायपूर्ण प्रतिशोध को भुगतते हैं। पुरुष, कुमारियाँ और छोटे बच्चे सब एक साथ नाश हो जाते हैं।" टेस्टिमोनीज़, खंड 5, 211.

यरूशलेम के अशिक्षितों पर शासन करने वाले विद्वानों की लाओदीकियाई अंधता उन्हें अन्तिम वर्षा पहचानने नहीं देती, क्योंकि वे न केवल एक विकृत बाइबलीय पद्धति अपनाते हैं, बल्कि उनके मिथ्या तर्क से निकले निष्कर्ष उन्हें ऐसी स्थिति में पहुँचा देते हैं कि वे पूर्वकाल की भाँति परमेश्वर की सामर्थ्य के भविष्य में होने वाले किसी भी

प्रकटीकरण का इनकार कर देंगे। तथापि मलाकी तीन यह बताता है कि जब वाचा का दूत लेवी के पुत्रों को शुद्ध करेगा, तब भेंट प्राचीन दिनों के समान होगी।

"सच्चा साक्षी घोषणा करता है, 'मैं तेरे कर्म जानता हूँ।' 'पश्चाताप कर, और पहले के कर्म कर।' यह सच्ची परीक्षा है, वह प्रमाण कि परमेश्वर का आत्मा हृदय में कार्य कर रहा है ताकि वह तुझे अपने प्रेम से परिपूर्ण कर दे। 'मैं शीघ्र ही तेरे पास आऊँगा, और यदि तू पश्चाताप न करे तो मैं तेरा दीवट उसके स्थान से हटा दूँगा।' कलीसिया उस निष्फल वृक्ष के समान है, जिसे ओस, वर्षा और धूप तो मिलती है, और जिसे बहुत फल लाना चाहिए था, पर जिस पर दिव्य खोज पत्तों के सिवाय कुछ नहीं पाती। हमारी कलीसियाओं के लिए गंभीर विचार! वास्तव में, प्रत्येक व्यक्ति के लिए भी गंभीर! परमेश्वर का धैर्य और सहनशीलता अद्भुत है; परंतु 'यदि तू पश्चाताप न करे,' तो वह चुक जाएगी; कलीसियाएँ, हमारे संस्थान, दुर्बलता से दुर्बलता की ओर, ठंडी औपचारिकता से निष्प्राणता की ओर जाते रहेंगे, जबकि वे कह रहे होंगे, 'मैं धनी हूँ, और धन-संपत्ति में बढ़ा हूँ, और मुझे किसी बात की आवश्यकता नहीं।' सच्चा साक्षी कहता है, 'और तू यह नहीं जानता कि तू दुखी, और दयनीय, और कंगाल, और अंधा, और नंगा है।' क्या वे कभी अपनी दशा को स्पष्ट रूप से देख पाएँगे?"

कलीसियाओं में परमेश्वर की शक्ति का एक अद्भुत प्रगटीकरण होने वाला है, परन्तु यह उन पर प्रभाव नहीं डालेगा जिन्होंने प्रभु के सामने अपने आप को दीन नहीं किया, और अंगीकार तथा पश्चाताप के द्वारा हृदय का द्वार नहीं खोला। उस शक्ति के प्रगटीकरण में, जो परमेश्वर की महिमा से पृथ्वी को आलोकित करती है, वे केवल वही कुछ देखेंगे जिसे वे अपनी अंधता में खतरनाक समझते हैं—ऐसा कुछ जो उनके भय को भड़काएगा—और वे उसे प्रतिरोध करने के लिए अपने आप को दृढ़ कर लेंगे। क्योंकि प्रभु उनकी धारणाओं और अपेक्षाओं के अनुसार काम नहीं करता, वे उस कार्य का विरोध करेंगे। 'क्यों,' वे कहते हैं, 'जब हम इतने वर्षों से इस काम में हैं, तो हमें परमेश्वर की आत्मा को क्यों न जानना चाहिए?'—क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के संदेशों की चेतावनियों और विनतियों पर ध्यान नहीं दिया, परन्तु लगातार कहते रहे, 'मैं धनी हूँ, और माल से समृद्ध हूँ, और मुझे किसी वस्तु की घटी नहीं।' प्रतिभा और दीर्घ अनुभव मनुष्यों को ज्योति के माध्यम नहीं बनाते, जब तक कि वे अपने आप को धार्मिकता के सूर्य की उज्ज्वल किरणों के नीचे न रखें, और पवित्र आत्मा के वरदान से बुलाए, चुन लिए, और तैयार न किए जाएँ। जब वे मनुष्य जो पवित्र वस्तुओं को संभालते हैं, परमेश्वर के पराक्रमी हाथ के नीचे अपने आप को दीन करेंगे, तब प्रभु उन्हें ऊँचा उठाएगा। वह उन्हें विवेकशील मनुष्य बनाएगा—ऐसे मनुष्य जो उसकी आत्मा के अनुग्रह में धनी हों। उनके स्वभाव के प्रबल, स्वार्थी गुण और उनकी हठधर्मिता जगत की ज्योति से निकलने वाले प्रकाश में प्रकट हो जाएँगे। 'मैं शीघ्र तेरे पास आकर तेरा दीवट उसके स्थान से हटा दूँगा, यदि तू मन न फिराए।' यदि तुम सारे मन से प्रभु को ढूँढ़ोगे, तो वह तुम्हें मिल जाएगा। रिव्यू एंड हेरल्ड, 23 दिसम्बर, 1890.

यहूदिया के भविष्यद्वक्ता की मृत्यु का प्रतिनिधित्व आधुनिक बाबुल के "सिंह", जो भविष्यवाणी के इतिहास के दर्शन को स्थापित करने वाला भविष्यसूचक प्रतीक है, और साथ ही "गधे" द्वारा भी किया गया है। धर्मग्रंथों में इस्लाम का पहला उल्लेख तब मिलता है जब इश्माएल का परिचय "जंगली मनुष्य" के रूप में कराया जाता है।

और वह एक जंगली मनुष्य होगा; उसका हाथ हर एक मनुष्य के विरुद्ध होगा, और हर एक मनुष्य का हाथ उसके विरुद्ध; और वह अपने सब भाइयों के सामने निवास करेगा। उत्पत्ति 16:12.

शास्त्रों में प्रथम उल्लेख का नियम बताता है कि प्रतीक के सभी गुण उसी में समाहित होते हैं, क्योंकि परमेश्वर का वचन एक बीज है, और बीज में पूरे पौधे को फलित करने हेतु आवश्यक समस्त डीएनए निहित होता है। "जंगली मनुष्य" के रूप में जिसका अनुवाद किया गया है, वह वास्तव में "जंगली अरबी गधे" के लिए प्रयुक्त शब्द है। सत्य के शास्त्रों में "गधा" इस्लाम के प्रतीकों में से एक है।

यहेजकेल के सैंतीसवें अध्याय का वह संदेश, जिसमें मरी हुई हड्डियाँ जीवित होकर एक शक्तिशाली सेना के रूप में खड़ी हो जाती हैं, तीसरे 'हाय' से जुड़ा इस्लाम का संदेश है, और वही संदेश अंतिम दिनों की 'मध्यरात्रि की पुकार' का संदेश है। बहन व्हाइट सीधे सिखाती हैं कि मसीह का यरूशलेम में विजयी प्रवेश 'मध्यरात्रि की पुकार' के संदेश

का प्रतिनिधित्व करता था।

आधी रात की पुकार तर्क के द्वारा उतनी आगे नहीं बढ़ी, यद्यपि पवित्र शास्त्र का प्रमाण स्पष्ट और निर्णायक था। उसके साथ एक उद्दीपक शक्ति थी जो आत्मा को आंदोलित करती थी। न कोई संदेह था, न कोई सवाल। मसीह के विजयी प्रवेश के अवसर पर, जब वे यरूशलेम में प्रवेश कर रहे थे, तो उत्सव मनाने के लिए देश के सब भागों से एकत्र लोग जैतून के पहाड़ पर उमड़ पड़े; और जब वे उस भीड़ में शामिल हुए जो यीशु के साथ-साथ चल रही थी, तब उन्होंने उस समय की प्रेरणा को ग्रहण किया और उस जयघोष को और गूँजायमान करने में सहायक बने, 'धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है!' [मत्ती 21:9.] इसी प्रकार, अविश्वासी जो एडवेंटिस्ट सभाओं में उमड़ पड़े—कुछ जिज्ञासा से, कुछ केवल उपहास करने के लिए—ने इस संदेश के साथ उपस्थित विश्वास दिलाने वाली शक्ति को अनुभव किया, 'देखो, दूल्हा आता है!' स्पिरिट ऑफ प्रॉफ़ेसी, खंड 4, 250.

यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य वह अंतिम संदेश है जो अंतिम दिनों में अनमुद्रित किया जाता है, और उसमें तीसरी विपत्ति से संबंधित इस्लाम भी शामिल है। जब मसीह—जो वही अनमुद्रित संदेश हैं—येरूशलेम में प्रवेश किए, और इस प्रकार अंतिम दिनों की मध्यरात्रि की पुकार का प्रतीक ठहरे, तब वे एक 'गधे' पर सवार थे (उनका संदेश उसी द्वारा वहन किया गया)। मसीह की धार्मिकता का अंतिम संदेश इस्लाम द्वारा वहन किया जाता है।

इस्लाम था, है, और रहेगा एक जंगली मनुष्य, जिसका प्रतिनिधित्व जंगली अरब गधे द्वारा किया गया है, और जो भी देखना चाहता है (और बहुत से ऐसे हैं जो देखना नहीं चाहते), वह आसानी से 'पहचान' सकता है कि आज जो युद्ध इस्लाम द्वारा लड़ा जा रहा है, वह जंगली पागलपन है। यह विश्वास रखते हुए कि परलोक में कोई बड़ा यौन पुरस्कार मिलेगा, आत्महत्या करने की तत्परता शैतानी पागलपन है। इस्लाम के प्रथम उल्लेख में बताया गया था कि इस्लाम एक जंगली मनुष्य होगा।

इस्लामी युद्ध समस्त मानवता को तीसरी विपत्ति के बढ़ते हुए युद्ध से लड़ने के लिए एक साथ लाता है। एक विश्व सरकार लागू करने के लिए इस्लाम भविष्यवाणी का तर्क है, और वैश्विकतावादी यह सिखाते हैं कि उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जान-बूझकर यहूदियों को इज़राइल की भूमि में फिर से बसाया, ताकि वे यहूदियों के प्रति इस्लाम की प्राचीन घृणा का उपयोग करके तीसरा विश्व युद्ध शुरू कर सकें। वैश्विकतावादी मानते हैं, और दशकों से यह सिखाते आए हैं, कि अपनी एक विश्व सरकार स्थापित करने के लिए उन्हें तीसरे विश्व युद्ध की आवश्यकता होगी। वैश्विकतावादियों की भ्रष्ट प्रेरणाएँ, जैसा कि उनके अपने शब्दों में व्यक्त है, इस्लाम की बाइबिलीय भूमिका में फिट बैठती हैं।

जहाँ उसका पहली बार उल्लेख आता है, उस पद में इश्माएल के भविष्यसूचक "डीएनए" का शायद सबसे गंभीर पक्ष यह है कि उसकी आत्मा—जो एक "जंगली मनुष्य" की आत्मा है—"अपने सब भाइयों के सामने निवास करती है।" यह धारणा कि तीसरी विपत्ति में केवल उग्र इस्लाम के कुछ संप्रदाय ही सम्मिलित होंगे, ईश्वर के वचन से मेल नहीं खाती। यह सामान्य, राजनीतिक रूप से सही मानी जाने वाली धारणा कि हर धार्मिक मत में कुछ गिने-चुने खराब तत्व होते हैं, और कि मुस्लिम धर्म के अधिकांश लोग शांतिप्रिय नागरिक हैं, न तो उनकी अपनी पवित्र पुस्तक से मेल खाती है, और न ही बाइबल से।

कुरआन सिखाती है कि अल्लाह के हर अनुयायी का कर्तव्य है कि वह पूरे विश्व को शरीयत के क़ानून के अनुरूप कर दे, और उत्पत्ति की पुस्तक में इस्लाम का पहला उल्लेख इस बात की ओर इंगित करता है कि इश्माएल की "जंगली मनुष्य" वाली आत्मा इस्लाम के हर अनुयायी में होगी। कुरआन अपने अनुयायियों को सीधे तौर पर यह सिखाती है कि जब वे ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं जहाँ उनके पास अभी आबादी पर अपने धार्मिक शासन को थोपने की क्षमता नहीं है, तब वे सभ्यता का दिखावा करें, बहुत हद तक कैथोलिक धर्म की तरह।

यहूदा से आए नबी ने यारोबाम का सामना तब किया जब उसका राज्य पहली बार स्थापित हुआ था। धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद 1844 में शुरू हुआ, और तुरंत ही उसका सामना मिलराइट एडवेंटिज़्म ने किया, जो परमपवित्र स्थान में

प्रवेश कर चुका था और जिसने परमेश्वर की व्यवस्था, जिसमें सातवें दिन का सब्त भी शामिल है, को खोज लिया था। यिर्मयाह द्वारा प्रतिनिधित्वित रूप में मिलराइट एडवेंटिज़्म से कहा गया कि वे परमेश्वर की ओर लौटें, पर कभी भी 'ठट्टा करने वालों की सभा' में न लौटें। यहूदा से आए नबी को कहा गया था कि वह जिस मार्ग से आया है उसी मार्ग से वापस न लौटे, और न ही बेतएल के झूठे नबी का भोजन खाए या पीए, पर उसने ऐसा किया। यहूदा से आए नबी की मृत्यु को प्रतीकात्मक रूप से दो प्रतीकों के बीच रखा गया, जो पापाइयत और इस्लाम का प्रतिनिधित्व करते थे। लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म उन दो सत्यों को नहीं देख सकता, क्योंकि 1863 में इसने अपनी ही आत्मिक आँखें फोड़ डालीं और विलियम मिलर द्वारा प्रयुक्त रत्नों और पद्धति को ढकने की प्रक्रिया शुरू कर दी, ताकि एडवेंटिज़्म की नींव नकली सिक्कों और रत्नों तथा धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद और कैथोलिकवाद की पद्धति से स्थापित की जाए।

वह "धूल झाड़ने वाला आदमी" अब उसका फर्श झाड़ू लगा रहा है और रत्नों को बहाल करके उन्हें मिलर को दे रहा है ताकि वह उन्हें अपनी मेज़ पर रखे, लेकिन एडवेंटवाद इस विश्वास से अंधा है कि वे वही शेष जन हैं जिन्हें 1844 में उसके लोगों के रूप में उठाया गया था।

और अपने मन में यह मत कहो, "हमारा पिता अब्राहम है"; क्योंकि मैं तुमसे कहता हूँ कि परमेश्वर इन पत्थरों से भी अब्राहम के लिये संतान उत्पन्न कर सकता है। और अब भी कुल्हाड़ी पेड़ों की जड़ पर रखी हुई है; इसलिये जो कोई पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा जाता है और आग में डाला जाता है। मैं तो तुम्हें पश्चाताप के लिये पानी से बपतिस्मा देता हूँ; परन्तु जो मेरे पीछे आता है वह मुझसे सामर्थी है, मैं उसके जूते उठाने के योग्य भी नहीं हूँ; वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। उसका सूप उसके हाथ में है, और वह अपना खलिहान अच्छी तरह साफ करेगा, और **بيا**। गेहूँ कोठार में बटोर लेगा; परन्तु भूसी को न बुझनेवाली आग से जला देगा। मत्ती 3:9-12.

लाओदीकियाई एडवेंटवाद प्रभु के मुंह से उगल दिया जाएगा, सिवाय उन व्यक्तियों के जो पश्चाताप करें। लाओदीकियाई एडवेंटवाद को उसी कब्र में दफन किया जाना है जिसमें मिलर के संदेश को अस्वीकार करने वाले पूर्व वाचा के लोग दफन हैं, क्योंकि अब वे भी एक सौ चवालीस हजार के संदर्भ में पूर्व वाचा के लोग हैं। 1863 की बगावत का उदाहरण यहूदा से आए उस नबी से मिलता है, जिसने राजा योशियाह के विषय में भी एक भविष्यवाणी छोड़ी थी।

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

संसार के समान बनने के बजाय हमें संसार से अधिकाधिक भिन्न बनना है। शैतान ने परमेश्वर की सच्चाई के विरुद्ध एक सुनियोजित और शक्तिशाली प्रयास करने में कलीसियाओं के साथ हाथ मिला लिया है और आगे भी मिलकर ऐसा करता रहेगा। परमेश्वर की प्रजा द्वारा संसार पर प्रभाव डालने के लिए किया गया हर कार्य अंधकार की शक्तियों की ओर से दृढ़ विरोध को उकसाएगा। शत्रु का अंतिम महान संघर्ष अत्यंत दृढ़ होगा। यह अंधकार की शक्तियों और प्रकाश की शक्तियों के बीच अंतिम युद्ध होगा। परमेश्वर की हर सच्ची संतान मसीह के पक्ष में साहसपूर्वक लड़ेगी। जो इस महान संकट में अपने आप को परमेश्वर की अपेक्षा संसार के पक्ष में अधिक रखते हैं, वे अंततः पूरी तरह संसार के पक्ष में जा खड़े होंगे। जो परमेश्वर के वचन की समझ में भ्रमित हो जाते हैं, जो मसीह-विरोधी का अर्थ समझने में असफल रहते हैं, वे अवश्य ही मसीह-विरोधी के पक्ष में जा खड़े होंगे। अब हमारे पास संसार के साथ घुल-मिलने का समय नहीं है। दानिय्येल अपने ठहराए हुए भाग और अपने स्थान पर खड़ा है। दानिय्येल और यूहन्ना की भविष्यवाणियाँ समझी जानी हैं। वे एक-दूसरे की व्याख्या करती हैं। वे संसार को ऐसी सच्चाइयाँ देती हैं जिन्हें हर किसी को समझना चाहिए। ये भविष्यवाणियाँ संसार में गवाही ठहरनी हैं। इन अंतिम दिनों में अपने पूर्ण होने के द्वारा वे स्वयं अपना अर्थ स्पष्ट कर देंगी।

प्रभु संसार के अधर्म के कारण उसे दण्ड देने ही वाले हैं। उन्हें दी गई ज्योति और सत्य को अस्वीकार करने के कारण वह धार्मिक संस्थाओं को दण्ड देने ही वाले हैं। वह महान संदेश, जो पहले, दूसरे और तीसरे स्वर्गदूतों के संदेशों को एक साथ मिलाता है, संसार को दिया जाना है। यही हमारे कार्य का मुख्य भार होना चाहिए। जो सचमुच मसीह पर विश्वास करते हैं, वे खुले तौर पर यहोवा की व्यवस्था का पालन करेंगे। सब्त परमेश्वर और

उसके लोगों के बीच का चिन्ह है, और सब्त का पालन करके हमें परमेश्वर की व्यवस्था के प्रति अपने आज्ञापालन को प्रकट करना है। यह परमेश्वर की चुनी हुई प्रजा और संसार के बीच भेद का चिन्ह होना है। परमेश्वर के प्रति सच्चा होना बहुत मायने रखता है। इसमें स्वास्थ्य-सुधार भी सम्मिलित है। इसका अर्थ है कि हमारा आहार सरल हो, कि हम सब बातों में संयमी हों। भोजन की अनेक किस्में, जो मेज़ों पर अक्सर दिखती हैं, आवश्यक नहीं हैं, बल्कि अत्यन्त हानिकारक हैं। मन और शरीर को स्वास्थ्य की सर्वोत्तम अवस्था में बनाए रखना है। केवल वही लोग, जिन्हें परमेश्वर के ज्ञान और भय में प्रशिक्षित किया गया है, उत्तरदायित्व उठाने के लिए चुने जाने चाहिए। जो लंबे समय से सत्य में हैं, फिर भी जो धार्मिकता के शुद्ध सिद्धान्तों और बुराई के सिद्धान्तों में भेद नहीं कर सकते, जिनकी न्याय, दया और परमेश्वर के प्रेम के विषय में समझ धुंधली हो गई है, उन्हें उत्तरदायित्व से मुक्त कर देना चाहिए।

परमेश्वर ने अपने लोगों के सीखने के लिए महत्वपूर्ण पाठ रखे हैं। यदि ये पाठ पहले सीख लिए गए होते, तो उसका कार्य आज जहाँ है वहाँ न होता। एक बात अवश्य की जानी चाहिए। उनकी अप्रसन्नता मोल लेने के भय से सत्य को उपदेशकों या जिम्मेदारी के पदों पर बैठे पुरुषों से नहीं रोका जाना चाहिए। हमारी संस्थाओं से ऐसे पुरुष जुड़े होने चाहिए जो नम्रता और बुद्धि के साथ परमेश्वर के संपूर्ण परामर्श की घोषणा करें। जिन्होंने देहगत सुरक्षा और मूल्य में उसके प्रबंधन के प्रति तिरस्कार दिखाया है, उनके विरुद्ध परमेश्वर का क्रोध भड़क उठा है। वे इस कार्य की समृद्धि को संकट में डाल रहे हैं।

प्रत्येक झूठा मार्ग छल है, और यदि उसे बनाए रखा जाए, तो वह अंततः विनाश लाएगा। अतः प्रभु उन लोगों को, जो झूठी योजनाओं पर टिके रहते हैं, नष्ट होने देते हैं। ठीक उसी समय जब प्रशंसा और चापलूसी सुनाई देती है, अचानक विनाश आ जाता है। कुछ ऐसे भी हैं जो, यह जानते हुए भी कि निष्ठाहीनता के कारण दूसरों को ताड़ना मिली है, चेतावनी से मुँह मोड़ लेते हैं। ये दुगुने दोषी हैं। वे प्रभु की इच्छा जानते थे, पर उसे किया नहीं। उनका दंड उनके दोष के अनुपात में होगा। उन्होंने प्रभु के वचन पर ध्यान नहीं दिया। Kress Collection, 105, 106.